भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

30.07.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1762 का उत्तर

राजस्थान सहित देश में रेल परियोजनाएँ

1762. श्रीमती मंजू शर्मा:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) राजस्थान सहित देश में विभिन्न रेल परियोजनाओं का जोन-वार और परियोजना-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) निर्धारित समय-सीमा से पीछे चल रही परियोजनाओं की परियोजना-वार संख्या कितनी है और इसके क्या कारण हैं;

(ग) प्रत्येक लंबित परियोजना की लागत में कितनी वृद्धि हुई है; और

(घ) उपर्युक्त परियोजनाओं को निर्धारित या विस्तारित समय-सीमा के भीतर पूरा करने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए गए/किए जा रहे हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): रेल परियोजनाओं का सर्वेक्षण/स्वीकृति/निष्पादन राज्य-वार/संसदीय निर्वाचन क्षेत्र-वार नहीं बल्कि क्षेत्रीय रेल-वार किया जाता है, क्योंकि रेल परियोजनाएँ राज्य की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं।

रेल परियोजनाओं को लाभप्रदता, यातायात अनुमानों, अंतिम छोर तक संपर्कता, अनुपलब्ध कड़ियों (अनुपलब्ध अवसंरचना सहित) और वैकल्पिक मार्गों, संकुलित/संतृप्त लाइनों के संवर्धन, राज्य सरकारों, केन्द्रीय मंत्रालयों, संसद सदस्यों, अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई मांगों, रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताओं, सामाजिक-आर्थिक महत्वों आदि के आधार पर स्वीकृत किया जाता है जो चालू परियोजनाओं के थ्रो-फॉरवर्ड और निधियों की समग्र उपलब्धता पर निर्भर करता है।

01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में लगभग 6.75 लाख करोड़ रुपए की लागत वाली कुल 35,966 किलोमीटर लंबाई की 431 रेल अवसंरचना परियोजनाएं (154 नई लाइनें, 33 आमान परिवर्तन और 244 दोहरीकरण) स्वीकृत हैं, जिनमें से 12,769 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च 2025 तक 2.91 लाख करोड़ रुपए का व्यय किया गया है। कार्य की स्थिति संक्षेप में निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई नई लाइन/आमान परिवर्तन/दोहरीकरण (कि.मी. में)	मार्च, 2025 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2025 तक कुल व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	154	16,142	3,036	1,45,318
आमान परिवर्तन	33	4,180	2,997	22,753
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	244	15,644	6,736	1,22,858
कुल	431	35,966	12,769	2,90,929

भारतीय रेल में नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण परियोजनाओं के लिए औसत वार्षिक बजट आबंटन निम्नानुसार हैः

अवधि	परिव्यय
2009-14	लगभग 11,527 करोड़ रु./वर्ष
2025-26	68,785 करोड़ रु. (लगभग 6 गुना)

भारतीय रेल में नए रेलपथ की कमीशनिंग/बिछाने का विवरण निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन किए गए नए रेल पथ	नए रेलपथ की औसत कमीशनिंग
2009-14	7,599 किलोमीटर	4.2 किलोमीटर प्रतिदिन
2014-25	34,428 किलोमीटर	8.57 किलोमीटर प्रतिदिन (2 गुना से अधिक)

राजस्थान राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली रेल अवसंरचना परियोजनाएं भारतीय रेल के उत्तर पश्चिम रेलवे, उत्तर रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, पश्चिम मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे जोनों के अंतर्गत आती हैं। रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेल-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है।

राजस्थान:-

01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, राजस्थान राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 43,918 करोड़ रुपए की लागत वाली कुल 3,409 किलोमीटर लंबाई की 28 रेल परियोजनाएं (13 नई लाइनें, 05 आमान परिवर्तन और 10 दोहरीकरण) स्वीकृत हैं, जिनमें से 1,238 किलोमीटर

लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च 2025 तक 18,954 करोड़ रुपए का व्यय किया गया है। कार्य की स्थिति संक्षेप में निम्नानुसार है:-

योजना शीर्ष	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2025 तक व्यय (करोड़ रुपए मे)
नई लाइन	13	981	196	5769
आमान परिवर्तन	5	1252	788	6829
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	10	1176	254	6357
कुल	28	3409	1238	18954

राजस्थान राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों हेतु बजट आबंटन निम्नानुसार है:-

अवधि	परिव्यय
2009-14	682 करोड़ रु. प्रति वर्ष
2025-26	9,960 करोड़ रु. (लगभग 14 गुना)

वर्ष 2009-14 और 2014-25 के दौरान राजस्थान राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले नए रेलपथ की कमीशनिंग/बिछाने का विवरण निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन किए गए नए रेल पथ	नए रेलपथ की औसत कमीशनिंग
2009-14	798 किलोमीटर	159.6 किलोमीटर प्रतिवर्ष
2014-25	3,815 किलोमीटर	346.82 किलोमीटर प्रतिवर्ष (2 गुना से अधिक)

राजस्थान राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली कुछ परियोजनाओं जो हाल ही में समाप्त की गईं, का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	अजमेर-बंगुरग्राम दोहरीकरण (48 किलोमीटर)	375
2	बंगुरग्राम-गुरिया कहीं-कहीं दोहरीकरण (47 किलोमीटर)	395
3	डेगाना-राई का बाग दोहरीकरण (146 किलोमीटर)	809
4	बीना-कोटा दोहरीकरण (283 किलोमीटर)	2476
5	नीमच-चित्तौढ़गढ़ दोहरीकरण (56 किलोमीटर)	560
6	दौसा-गंगापुर सिटी दोहरीकरण (93 किलोमीटर)	950
7	फुलेरा-डेगाना दोहरीकरण (108 किलोमीटर)	702
8	चुरू-रतनगढ़ दोहरीकरण (43 किलोमीटर)	423

राजस्थान में पूर्णतः/अंशत: शामिल कुछ परियोजनाएं जो शुरू की गई हैं, वह निम्नानुसार हैं:

क्रम सं	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	तरंगा हिल-अंबाजी-आबू रोड नई लाइन (117 किलोमीटर)	2798
2	नीमच-बड़ी सादड़ी नई लाइन (46 किलोमीटर)	495
3	रींगस-खाटूश्यामजी नई लाइन (17 किलोमीटर)	254
4	पुष्कर-मेड़ता (कात्यासनी) नई लाइन (51 किलोमीटर)	800
5	रास-मेड़ता सिटी नई लाइन (56 किलोमीटर)	947

6	देवगढ़-नाथद्वारा आमान परिवर्तन (83 किलोमीटर)	969
7	अजमेर-चंदेरिया दोहरीकरण (178 किलोमीटर)	1635
8	लूनी-समदड़ी-भीलड़ी दोहरीकरण (272 किलोमीटर)	3086
9	चूरू-सादुलपुर दोहरीकरण (58 किलोमीटर)	469
10	जयपुर-सवाई माधोपुर दोहरीकरण (131 किलोमीटर)	1231

रेल परियोजनाओं का पूरा होना राज्य सरकार द्वारा शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के प्राधिकारियों द्वारा वन संबंधी मंजूरी, अतिलंघनकारी जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, क्षेत्र की भौगोलिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियां, परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति, परियोजना स्थल विशेष के लिए वर्ष में कार्य के महीनों की संख्या आदि कारकों पर निर्भर करता है। ये सभी कारक परियोजना के पूरा होने के समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

रेल परियोजनाओं के त्वरित अनुमोदन और कार्यान्वयन के लिए सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न उपायों में निम्नलिखित शामिल हैं (i) गतिशक्ति इकाइयों की स्थापना; (ii) परियोजनाओं की प्राथमिकता, (iii) प्राथमिकता वाली परियोजनाओं के निधियों के लिए आवंटन में पर्याप्त वृद्धि (iv) फील्ड स्तर पर शक्तियों का प्रत्यायोजन, (v) विभिन्न स्तरों पर परियोजना की प्रगति की गहन निगरानी और (vi) शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वानिकी और वन्यजीव मंजूरी के लिए राज्य सरकारों और संबंधित प्राधिकरणों के साथ नियमित अनुवर्ती कार्रवाई और परियोजनाओं से संबंधित अन्य मुद्दों को हल करना। इससे 2014 के बाद कमीशनिंग की दर में बहुत वृद्धि हुई है।

******